वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 294 | बुधवार 21 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में शाह ने लगाया नारा, अबकी बार भाजपा 400 सीटें पार

अमित शाह ने कहा कि भाजपा अपने मुद्दों पर काम कर रही है जबकि विपक्षी पार्टियों के पास न नीयत है और न ही नेता हैं, और न ही कोई नेता बनने को भी तैयार है...

जयपुर. शाबाश इंडिया

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मंगलवार को ताबड़तोड़ दौरे के जरिए भाजपा ने लोकसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी है। शाह ने एक ही दिन में 9 लोकसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से संवाद किया। जयपुर कलस्टर के प्रबुद्ध जन सम्मेलन में शिरकत करते हुए अमित शाह ने जहां मोदी सरकार के कामकाज का गुणगान किया तो वहीं विपक्षी पार्टियों को भी जमकर निशाने पर लिया। इस दौरान शाह ने अबकी बार 400 पार का भी नारा दिया।

विपक्षी पार्टियों के पास न नीयत न नेता

अमित शाह ने कहा कि भाजपा अपने मुद्दों पर काम कर रही है जबकि विपक्षी पार्टियों के पास न नीयत है और न ही नेता हैं, और न ही कोई नेता बनने को भी तैयार है। इसलिए जनता ने ठान रखा है कि इस बार 400 सीटें भाजपा की झोली में डालनी है। अमित शाह ने कहा कि मौलाना आजाद, राजेंद्र प्रसाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं ने भी देश में समान कानून की वकालत की थी लेकिन उनकी बाद की कांग्रेस सरकारों ने ऐसा नहीं किया क्योंकि उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता थी। अब उत्तराखंड सरकार ने यूसीसी लागू किया है। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कोरोना महामारी जैसी बीमारी के दौरान भी राजनीति करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। कोरोना वैक्सीन को लेकर कई तरह के भ्रांतियां फैलाई गई थीं लेकिन हमारी सरकार ने जनता को वैक्सीन लगाई और दूसरे देशों को भेजी।

10 साल में अर्थ व्यवस्था पांचवें नंबर आई: शाह ने कहा कि 2014 में केंद्र में सरकार बनने के बाद 10 साल के भीतर अर्थ व्यवस्था 11 वें नंबर से पांचवें नबर पर आ गई है। इस बार फिर मौका मिलेगा तो अर्थ व्यवस्था तीसरे नंबर पर आ जाएगी। हालांकि शाह ने कांग्रेस की भी तारीफ करते हुए कहा कि उसने एक अच्छा काम किया है कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में देश 11वें नंबर की अर्थ व्यवस्था पर था, उसके बाद 10 साल यूपीए की सरकार थी, मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे लेकिन अर्थ व्यवस्था को 11 वें नंबर से 12वें नंबर पर नहीं जाने दिया।

राजस्थान की जनता का जताया धन्यवाद

साह ने राजस्थान की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि 2014, 2019 में राजस्थान की जनता ने सभी लोकसभा की सीटें हमारी झोली में डाली थी और 2023 के चुनाव में बहुमत से हमारी सरकार बनाई है। अब 2024 के लोकसभा चुनाव में भी एक बार फिर जनता हमें आशीर्वाद दे।

कांग्रेस नेताओं के चुप रहने पर चुटकी ली

मैं कई बार कांग्रेस में मेरे मित्रों से ऑफ द रिकॉर्ड पूछता कि आपका लक्ष्य क्या है तो वे चुप हो जाते हैं, विरोध करने का कारण पूछता तो चुप हो जाते हैं, अच्छी बात का समर्थन नहीं करने का कारण पूछता हूं तो भी चुप हो जाते हैं और जब चुप रहने का कारण पूछता हूं तब भी चुप हो जाते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं वो करते हैं, मोदी ने विपक्षी दलों के नेताओं को जनेऊ पहनना सिखा दिया। हमारे पास दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता हैं, जिनके नेतृत्व में देश मजबूत हो रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि जनता के बीच जाकर बताएं कि 10 साल में मोदी सरकार ने देश और जनता के लिए काम किए हैं।

विदेशों में छुट्टियां मनाने जाते हैं कांग्रेस के नेता

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के नेता ऐसे हैं जो तीन-तीन महीनें छुट्टियां बिताने विदेश जाते हैं जबकि नरेंद्र मोदी एक दिन भी छुट्टी नहीं लेते हैं अगर वे छुट्टी लेते तो शौचालय कैसे बनते और गरीबों को मुफ्त राशन कैसे मिलता।

बोले-अब एक ही लक्ष्य, 'अबकी बार मोदी सरकार'

देश के गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि गहलोत सरकार के समय में यहां की बहनें सुरक्षित नहीं थी। अब राजस्थान में बहनों को कोई आंख उठाकर नहीं देख सकेगा क्योंकि यहां भजनलाल की सरकार है और केंद्र में मोदी सरकार। अब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। शाह बोले अब राजस्थान में मंदिरों को तोड़ने को कोई हिम्मत नहीं करेगा। उन्होंने उदयपुर शहर के बलीचा स्थित कृषि मंडी परिसर में शाह तीन लोकसभा क्षेत्र उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और बांसवाड़ा-डूंगरपुर के भाजपा के संगठनात्मक दृष्टि से 6 जिलों के बूथ स्तर और उसके ऊपर के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित किया। शाह ने कहा कि दो बार राजस्थान ने खूब वोट दिए और 25 की 25 सीटें दी है। अब समय है कि हम लाभार्थियों के घर-घर जाएं। आज से चुनाव तक एक ही लक्ष्य पर काम करना है। वह लक्ष्य 'अबकी बार मोदी सरकार' होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनावी शंखनाद करते हुए भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश की। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक संपूर्ण विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने का सपना देखा है और इस सपने को हर हाल में साकार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र में मोदी के नेतृत्व की सरकार के 10 साल का कार्यकाल भारत उदय का काल रहा है, उत्कृष्ट भारत का काल रहा है।

आचार्य सुनील सागर संघ के साथ दिगंबर मुनिराजो का कामां में हुआ मंगल प्रवेश

आगामी 28 फरवरी से आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी जोरो पर

कामा. शाबाश इंडिया। जैन समाज की पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति द्वारा आगामी 28 फरवरी से आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी जोरों पर चल रही हैं इसी क्रम में आज सुनील सागर महाराज ससंघ के सात दिगंबर मुनिराजों का कामां में मंगल प्रवेश हुआ। पंचकल्याणक समिति के मंत्री अनिल जैन लहसरिया ने बताया की सात दिवसीय भव्य आयोजन में अनेक अधिकारियों,मंत्री व राजनेताओं एवं जैन श्रावकों के आने की संभावना है जिसे देखते हुए वृहद स्तर पर तैयारी की जा रही हैं । आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ में छतीस जैन साधु साध्वियों के कामां में आगमन होगा।

बालक विद्याधर के नाम से सदलगा में जो सूर्य उदित हुआ था वह विद्यासागर के नाम से चंद्रगिरी में अस्त हो गया

समाधिष्ट आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज कोई सामान्य संत नहीं थे वह गांधी-वादी विचारधारा

जयपुर. कासं

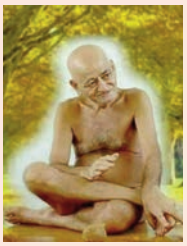

सत्य, अहिंसा,अपरिग्रह से समृद्ध श्रमण संस्कृति के महामहिम एवं संतों में जयेष्ठ और श्रेष्ठ एक राष्ट्र हितेषी संत थे, जिन पर हमारी समाज, संस्कृति और राष्ट्र गर्व महसूस करता था। आचार्य श्री ने 55 वर्ष की तप साधना के दौरान श्रमण संस्कृति के उन्नयन और धर्म , समाज, संस्कृति, जीव दया हथकरघा , राष्ट्र और राष्ट्रभाषा एवं स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में जो अवदान दिया और समाज एवं शासन को कार्य करने की प्रेरणा और आशीर्वाद दिया वह वर्णनातीत और स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने योग्य है। यथा नाम तथा गुण अद्भुत गुरु ज्ञान सागर जी के अद्भुत शिष्य यथा नाम तथा गुण आचार्य श्री विद्यासागर जी अब हमारे बीच नहीं है 10 अक्टूबर 1946 को बालक विद्याधर के नाम से सदलगा में जो सूर्य उदित हुआ था वह आचार्य विद्यासागर जी के नाम से डोंगरगढ़ चंद्रगिरी मैं अस्त हो गया। आज आचार्य श्री शारीरिक रूप से भले ही हमारे बीच नहीं है लेकिन उनका साहित्य और उनके कार्य युगों युगों तक आचार्य श्री को हमारी स्मृति में सदैव जीवंत बनाए रखेंगे। श्रमण संस्कृति के ऐसे महामहिम साधक समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी को नमन करते हुए मैं अपनी ओर से हार्दिक विंनयांजलि देता हूं और भारत सरकार से मांग करता हूं कि राष्ट्र हितेषी, राष्ट्रीय संत आचार्य श्री विद्यासागर जी द्वारा धर्म, समाज, संस्कृति और राष्ट्र के हित में किए गए कार्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए उन्हें भारत रत्न अलंकरण दिया जाना चाहिए। यह मांग मैं पिछले दो वर्षों से कर रहा हूं और मेरी इस मांग का समर्थन शंका समाधान प्रवर्तक मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने भी किया है।

सर्व कल्याण एवं आरोग्यमय सुखी जीवन की कामना के साथ श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ की पूर्णाहुति

हनुमान टेकरी स्थित काठियाबाबा आश्रम पर महायज्ञ की पूर्णाहुति में उमड़े संत, यजमान एवं भक्तगण

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शहर में छोटी हरणी हनुमान टेकरी स्थित काठिया बाबा आश्रम में आयोजित सात दिवसीय दिव्य एवं पावन 11 कुण्डीय श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ की पूर्णाहुति मंगलवार दोपहर सर्व कल्याण, आरोग्यमय सुखमय जीवन, गौमाता की रक्षा की कामना के साथ हुई। यज्ञ की पूर्णाहुति एवं महाआरती के अवसर पर विभिन्न स्थानों से पधारे संत-महात्मा, यजमान सहित हजारों भक्तगणों की सहभागिता रही। यज्ञ की पूर्णाहुति होने पर महाआरती के बाद महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया। महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ श्री राधा रासेश्वरी रासलीला मण्डल श्रीवृन्दावनधाम मथुरा द्वारा प्रस्तुत की जा रही भक्तिपूर्ण रासलीला भी मंगलवार को सम्पन्न हुई। महायज्ञ के अंतिम दिन मंगलवार को सुबह 8 बजे यज्ञ की शुरूआत महन्त बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में यज्ञ मण्डप में यज्ञाचार्य आचार्य श्री मुकेश अवस्थी महाराज श्रीधाम वृन्दावन के निर्देशन में हुई। यज्ञाचार्य अवस्थी ने बताया कि प्रातःकालीन वेला में हर्ष ओर उल्लास के माहौल में पूजन का क्रम शुरू हुआ। यजमानों ने पूजन के उपरान्त गौमाता का पूजन किया। हवन एवं बलिदान के साथ महायज्ञ को पूर्णाहुति प्रदान की। तदुपरान्त वसोर धारा के द्वारा महालक्ष्मी से सभी भक्तों के उपर कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की गई। इसके बाद सभी संत-महात्माओं के द्वारा आशीर्वाद एवं प्रसाद वितरण के साथ विशाल मंगल भंडारे का आयोजन कर इस महान यज्ञ की विश्रान्ति की गई। अंतिम दिन मुख्य अतिथि विधायक अशोक कोठारी एवं समाजसेवी चितवन व्यास थे। इस दौरान महंत रामदासजी महाराज टीकमगढ़, महन्त गोपालदासजी महाराज झांसी, शिवानंदजी महाराज हरणी महादेव, महन्त शालिगराम शरण काठियाबाबा भोपाल, महन्त श्री संतदासजी महाराज हाथीभाटा, महंत श्री बलारामदासजी रपट के बालाजी,

महन्त धर्मदासजी महाराज, मंहत रामदासजी समोड़ी, संत दाउशरणजी, संत श्री श्यामशरण महाराज वृन्दावन, पुजारी मुरारी पांडे, ओम पाराशर आदि का सानिध्य प्राप्त हुआ। अंतिम दिन महायज्ञ में मुख्य यजमान आशीष पोरवाल थे। महायज्ञ में आहूति देने एवं महाआरती में सहभागी बनने वाले यजमानों व भक्तगणों में राधेश्याम चेचाणी, मदनगोपाल कालरा, गजानंद बजाज, राजेश चौधरी, गोपाल जाट, रवि अग्रवाल, सुरेन्द्रसिंह, शिवराज जाट, बसंत भट्ट, डॉ. उमाशंकर पारीक, पूर्व सभापति मंजू पोखरना, मधुबाला महाजन, कृष्णगोपालजी, समुद्रसिंह, देवेन्द्र तिवारी, रामगोपाल शर्मा, श्रीराम सोनी, संजीव राठी, बाबूलाल सेन, दिलीप तोषनीवाल, प्रेक्षा चौरड़िया, शशिकुमार गर्ग, राकेश बाबेल, संजय पाराशर, जगदीश सोनी, दशरथ सिंह, ओम कोगटा, सुरजीतसिंह, डॉ रामचन्द्र आचार्य, वैद्य धर्मसिंह कुलपातरी, रामचन्द्र शास्त्री, अमरीश सिंह आदि शामिल थे।

वेद ज्ञान

सुख खोजने वालों को दुख मिलता है

हर आदमी सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता, लेकिन क्या कारण है कि आदमी की चाहत कभी पूरी नहीं होती। आदमी दुख भोगना नहीं चाहता, किंतु काम ऐसे करता है, जिससे दुख पैदा हो जाता है। यह आश्चर्य की बात है कि आदमी की तमाम कोशिशें हैं सुख की, लेकिन उसे प्राप्त होता है दुख। यह बहुत विरोधाभासी बात है, लेकिन यह समझ की भी भूल है, आदमी का अज्ञान है। उसके पुरुषार्थ में कहीं कोई कमी है, नियत में खोट है। जीने का तरीका गलत है। सही विधि उसे मालूम नहीं है, तभी उसके कार्य का उचित परिणाम नहीं मिल पाता। सुख खोजने वालों को दुख मिलता है। इसका कारण है हर व्यक्ति अपनी कहना चाहता है, पर दूसरों को सुनना नहीं चाहता। आप जितना अपना पक्ष रखने की कोशिश करते हैं, बात उतनी बिगड़ती जाती है। आप जितना अपने पक्ष पर जोर देते हैं, उतना ही विरोध बढ़ता चला जाता है। ऐसे में गुस्सा करने या बहस करने से संबंध बिगड़ जाते हैं और काम भी रुक जाते हैं। वास्तविकता यह है कि सुख प्राप्ति के लिए आदमी दुख के उत्पादन का कारखाना चला रहा है। अपने मिथ्या दृष्टिकोण के कारण वह दुख को उत्पन्न कर रहा है। सुख को पाने की चाह है तो दृष्टिकोण को सम्यक बनाकर सुख प्राप्ति के अनुरूप कार्य करने होंगे। कथनी और करनी में समानता लानी होगी। मन में कौन क्या कर रहा है, क्या सोच रहा है, किसी को पता नहीं। लोग दिखाने के लिए कुछ कहते हैं और करते कुछ और हैं। कोई दिखावे के नाम पर प्रेम जता रहा है तो वहीं वह मन में ईर्ष्या का भाव रखे है। यह बड़ी विचित्र बात है कि सद्गुण आदमी प्रयास करने पर भी जल्दी नहीं सीख पाता और दुर्गुण बिना किसी प्रयास के ही सीख लेता हैं, वैसे ही अच्छे बोल और मृदुभाषिता आदमी प्रयास करने पर भी जल्दी से नहीं सीख पता और गाली तथा अपशब्द बिना प्रयास के ही सीख लेता है। इस प्रवृत्ति से सहज ही छुटकारा नहीं मिलता। इसके लिए जरूरी है कि हम अपनी संगत बदले। जिनके साथ रहने से मन और भावों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा हो, वृत्तियां कलुषित और उच्छृंखल हो रही हों, सोच-विचार में विकृति आ रही हो, उनका साथ छोड़ देना ही हितकर है। इसी तरह ही व्यक्तित्व को बेहतर बनाया जा सकता है।

संपादकीय

अच्छे समाधान की कोशिशें भी बेहद जरूरी है...

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में चल रहे किसान आंदोलन के समाधान की कोशिशें एक-एक कर नाकाम हो रही हैं, तो यह न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक भी है। केंद्र सरकार ने 18 फरवरी को किसानों के सामने प्रस्ताव रखा था, जिसके तहत किसानों के साथ पांच फसलों, अर्थात मक्का, कपास, अरहर, मसूर और उड़द की खरीद के लिए पांच साल का अनुबंध किया जाना था। सरकार के इस प्रस्ताव में किसान नेताओं ने विचार का आश्वासन दिया था, पर संयुक्त किसान मोर्चा ने 19 फरवरी को चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। सरकार चाहती है कि किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रेरित किया जाए, पर किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की वैधानिक गारंटी की मांग पर अड़े हुए हैं। वास्तव में, किसानों को दिया गया प्रस्ताव नया नहीं था और ऐसी आश्वस्ति एकाधिक पार्टियों के चुनावी घोषणापत्र में पहले भी आ चुकी है। ऐसी ही अनुशंसा स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय किसान आयोग ने साल 2006 में की थी। किसानों को पुरानी अनुशंसा पूरी होने का स्वागत करना चाहिए था, भले ही वे अपनी अन्य मांगों के लिए अडे.रहते। कुल मिलाकर रविवार को जो उम्मीदें बंधी थीं, सोमवार शाम होते टूट गईं। चंडीगढ़ में किसान नेताओं ने घोषणा कर दी है कि गारंटीशुदा खरीद वाली सभी फसलों के लिए एमएसपी@सी2+50 प्रतिशत से नीचे कुछ भी स्वीकार्य नहीं है। किसानों की मांग बहुत लंबी-चौड़ी है, जिसे वे बार-बार दोहरा रहे हैं। अन्य मांगों में ऋण माफी की मांग शामिल है। बिजली का निजीकरण नहीं करने, व्यापक सार्वजनिक क्षेत्र की फसल बीमा योजना लाने, 60 साल से अधिक उम्र के किसानों को 10,000 रुपये मासिक पेंशन देने, अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने और मुकदमा चलाने की भी मांग हो रही है। कुछ मांगें बहुत गंभीर किस्म की हैं, जिनको पूरा करने का असर देश में अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों पर भी पड़ सकता है। देश में अनेक वर्ग ऐसे हैं, जो ताकतवर नहीं हैं, राजधानी को घेरने की स्थिति में नहीं हैं, तो क्या उनकी मांगें कभी नहीं मानी जाएंगी? खासतौर पर एक सूबे के किसान नेता अपने आंदोलन को देश भर में फैलाना चाहते हैं, तभी तो पूरे भारत में भाजपा व एनडीए के संसदीय क्षेत्रों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन, सार्वजनिक बैठकें और मशाल जुलूस आयोजित करने का आह्वान भी किया गया है। साफ है, किसान आंदोलन को पूरे देश में फैलाने के उपाय किए जा रहे हैं। हालांकि, अन्य राज्यों पर अगर हम नजर फेरें, तो किसान आंदोलन के प्रति सुगबुगाहट न के बराबर महसूस हो रही है। क्या इस आंदोलन के नेताओं ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे राज्यों के किसानों को भी विश्वास में लिया है? देखना चाहिए कि उनका आंदोलन एक सूबे का आंदोलन न मान लिया जाए।

परिदृश्य

नक्सली नासूर

छत्तीसगढ़ में अब भी नक्सली हमलों को रोक पाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। मौका पाते ही नक्सली सशस्त्र बलों पर हमला कर देते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें दावा करती रही हैं कि नक्सलियों पर काफी हद तक नकेल कसी जा चुकी है। मगर हकीकत यह है कि नक्सली सरे-बाजार किसी सुरक्षाकर्मी का कुल्हाड़ी से गला काट कर हत्या कर देते हैं। वहां के बीजापुर जिले में हुई घटना इसका उदाहरण है। भरे बाजार में नक्सलियों ने कुल्हाड़ी से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के एक कंपनी कमांडर का गला काट दिया। इसके पहले कई बार वे बारूदी सुरंग बिछा कर या उनके शिविर और काफिले पर सीधे हमला कर बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों की हत्या कर चुके हैं। पिछली सरकार ने उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए कई योजनाएं चलाईं। वनोपज और हस्तशिल्प की खरीद की दरें तय कर दी गईं, ताकि आदिवासी समूहों को आर्थिक संबल मिल सके और वे नक्सलियों के प्रभाव से मुक्त हो सकें। मगर वे योजनाएं पूरी तरह कारगर नहीं हो पाईं। अब स्थिति यह है कि कुल्हाड़ी से भी सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर आसानी से गायब हो जाते हैं। जाहिर है, उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन हासिल है। छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या बहुत पुरानी है। उससे पार पाने के लिए कई तरीके आजमाए गए। ज्यादातर मामलों में उनके दमन का रास्ता ही अख्तियार किया गया। उनसे बातचीत के जो भी प्रयास हुए, वे नाकाफी साबित हुए। ज्यादातर नक्सली हमलों में देखा गया है कि उनके पास अत्याधुनिक हथियार और सूचना संसाधन पहुंच चुके हैं। वे सुरक्षाबलों की गतिविधियों और काफिले वगैरह का ठीक-ठीक पता लगा लेते और बारूदी सुरंग बिछा कर हमला कर देते हैं। यह समझना मुश्किल है कि उनके पास इतने हथियार और साजो-सामान पहुंच कैसे रहे हैं। उन रास्तों पर सुरक्षाबलों की नजर जा नहीं पा रही, जिनके जरिए उन तक साजो-सामान पहुंच रहा है। हालांकि इसके कुछ तथ्य उजागर हैं। जबरन वसूली और मादक पदार्थों की बिक्री से वे अपना वित्तीय ढांचा मजबूत कर पाने में सफल हो जाते हैं। मगर ड्रोन, हेलीकाप्टर आदि का इस्तेमाल होने के बावजूद वे कैसे सुरक्षा इंतजामों को चकमा दे पा रहे हैं, कैसे स्थानीय लोगों का उन्हें समर्थन लगातार मिल पा रहा है, इस पर प्रशासन को गंभीरता से सोचने की जरूरत है। सबसे अहम बात कि नक्सली आखिर क्यों व्यवस्था के लिए चुनौती बने हुए हैं। उनकी मांगों को सुनने और उनका कोई व्यावहारिक रास्ता निकालने का प्रयास किया जाता, तो शायद यह समस्या इतने दिन तक न बनी रहती। दरअसल, आदिवासी समुदाय के भीतर यह भय लगातार बना हुआ है कि उनकी जमीन और जंगल हड़प कर सरकार खनिज निकालने वाली कंपनियों को सौंप देना चाहती है। ऐसा अनेक जगहों पर हो चुका है। विकास के नाम पर हर सरकार का प्रयास होता है कि खनिज वाली जगहों का दोहन किया जाए। मगर आदिवासी इसके लिए तैयार नहीं हैं। उनके इलाकों में स्कूल, चिकित्सालय, सड़क-बिजली-पानी की सुविधा पहुंचाई गई, मगर इससे उनका मन नहीं बदला है, तो इसके लिए दूसरे रास्तों की तलाश जरूरी है। नाराज आदिवासी ही प्रायः नक्सली समूहों को पनाह देते देखे जाते हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने सिद्धांत से काफी भटका चुका है, मगर वह चुनौती बना हुआ है, यह सरकारों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

झोटवाड़ा जैन समाज ने विनयांजलि सभा का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

हम सब के आराध्य, इस धरती के महान संत, चलते फिरते इस युग के भगवान संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विधासागर जी महामुनिराज की समाधि दिनांक 18 फरवरी 2024 को चंद्रगिरी डोंगरगढ़ में हो गयी। यह आकस्मिक घटना हम सभी के लिए हृदय विदारक है गुरुदेव के चरणों मे हम नतमस्तक है संपूर्ण जन-जन के लिए जन कल्याण के लिए गुरूदेव के कार्य, उनका आशीर्वाद हम भुला नहीं सकते हम सबका कण कण गुरुवर के लिए समर्पित है। उनके बिना सम्पूर्ण जैन समाज की कल्पना अब हर क्षण अधूरी ही लगती है। गुरुदेव को समर्पण भाव स्वरूप नमन विनम्र विनयानजलि सभा का आयोजन किया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जी झोटवाड़ा में मंगलवार दिनांक 20- 02- 2024 को प्रातः 8:15 बजे पंडित सनत कुमार शास्त्री एवं पंडित रमेश जैन जोबनेर वाले के साथ साथ समाज के पुरुष महिलाओ ने भी अपने अनुभव और विचारों के माध्यम से गुरुवर को नमन विनयांजलि श्रद्धांजलि अर्पण की ।

श्री दिगंबर जैन मुनि संघ प्रबन्ध समिति पार्श्वनाथ भवन में विनयांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अब यहां नहीं... वहां नहीं...सब जगह ... सर्वत्र हो गया हूं ...आंखों से दूर सही, नजरों से दूर नही गया हूं ..महसूस तो करो ... अपने पास ही पाओगे पहले सीमित था अब असीमित हो गया हूं ...पहले विधा, अब सागर सा विस्तृत हो गया हूं ... इन्हीं शब्दों से आज प्रातः 8:30 बजे श्री दिगंबर जैन मुनि संघ प्रबंध समिति पार्श्वनाथ भवन में एक विनांजलि सभा आयोजित हुई। आचार्य भगवान के जीवन चरित्र पर विनयान्जलि देते हुए संस्था के मंत्री ओम प्रकाश कला ने कहा गुरुदेव तो ज्ञान के सागर थे, विद्या के सागर थे ,उनका यूं चला जाना हम सबको विस्मित कर गया है । उक्त जानकारी देते हुए संस्था के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया आज की विनयान्जलि सभा में निर्मल जैन गोधा,भाग चन्द जैन मित्रपुरा, पदमचंद बिलाला जनकपुरी ,अनुज जैन, सत्यैन्द्र जैन आंधिका, गजेंद्र जैन, सुनीता गंगवाल सहित समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुनि संघ प्रबन्ध समिति के संयुक्त मंत्री श्री रूपेंद्र छाबड़ा ने कहा गुरुदेव का यूं चला जाना समाज की अपूरणीय क्षति है। पदम चंद बिलाला ने विनयान्जलि प्रस्तुत करते हुए कहा गुरुदेव से मेरा बहुत ही आत्मीयता का संबंध रहा था ,गुरुदेव ने मेरे गांव में भी एक चातुर्मास किया था। प्रमोद कुमार जैन ने स्वरचित कविता के माध्यम से गुरुदेव को विनयान्जलि अर्पित की। धन कुमार लुहाडिया गुरुदेव के प्रति विनयान्जलि अर्पित करते हुए अत्यंत भावुक होगये, अश्रु धारा उनकी आंखों से बह निकली। मंच संचालन रमेश गंगवाल ने किया। सभा के अंत में मुकेश जैन ब्रह्मपुरी ने पधारे हुए सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया। विश्व तिलक राष्ट्र संत शिरोमणि महामना परम पूज्य आचार्य भगवन श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के पावन चरणों में कोटि कोटि वंदन। **रमेश गंगवाल: श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ प्रबन्ध समिति पार्श्वनाथ भवन जयपुर।**

।। श्री महावीराय नमः ।।

भजन संध्या

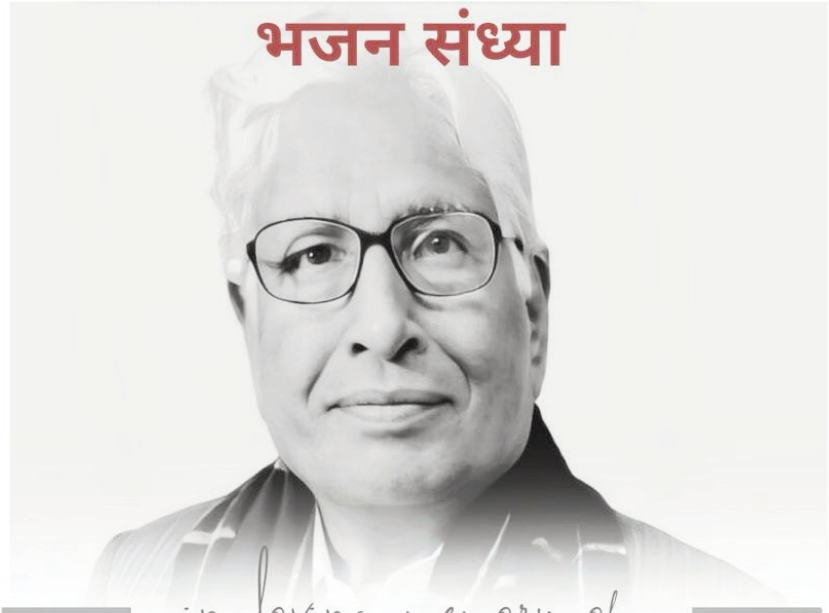

in loving memory of

सम्पत लाल जैन (पाण्ड्या)

05 अप्रैल 1942 - 10 फ़रवरी 2024

मान्यवर,

हमारे श्रद्धेय **श्री सम्पत लाल जैन पांड्या** की पावन आत्मा की शांति के लिए नमोकार मंत्र जाप व भजन संध्या का आयोजन किया गया है।

भजन संध्या बुधवार दि॰ 21 **फ़रवरी** 2024 को रात्रि 7:30 बजे से तोतुका भवन, भट्टारक की नसियाँ

निवास-
E-3/B
पारीक कॉलेज रोड़
बनीपार्क, जयपुर

शोकाकुल:
उम्मेद मल (भ्राता), **संजय- अजय** (पुत्र), **सुभाषचंद, उजास, अखिल** (भतीजे), आनंद, **सुमित**,अक्षय,**श्रेयांश**, इवान(पौत्र) एवं समस्त पाण्ड्या परिवार **कुचामन वाले**

प्रतिष्ठान: **श्री जैन रोडवेज़**, जयपुर Ph. 93145 05562, 9826042239

नदी और जलाशय में लोग सिक्का क्यों फैंकते हैं, क्या यह भी स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है?

शाबाश इंडिया

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर।
9828011871

हममें से कई लोगों ने अपने जीवन में कभी न कभी नदी में सिक्का फेंका ही होगा. वर्षों से यह मान्याता रही है कि इससे हमारी मनोकामना पूरी होती है. भारत में नदियों में, विशेषकर पवित्र स्थानों पर, सिक्के फेंकने की काफी पुरानी परंपरा है. कुछ लोगों का मानना है कि नदी में पैसा फेंकने से धन की देवी लक्ष्मी उनके जीवन में प्रवेश करेंगी. कई लोगों ने इसे अंधविश्वास माना है, लेकिन आज हम यहां उस पर बहस करने के लिए नहीं हैं. हम इस परंपरा के पीछे के वैज्ञानिक कारण को समझेंगे, जिसके कारण यह प्रथा सदियों पहले शुरू हुई थी. आजकल तो हम स्टेनलेस स्टील और एल्यूमीनियम के सिक्के देखते हैं, लेकिन प्राचीन सिक्के तांबे के बनते थे. तांबा हमारे शरीर के लिए बड़े फायदे वाला होता है. प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों से पता चलता है कि पानी को तांबे के बर्तन में रखकर शुद्ध किया जाता था. अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के मुताबिक पीतल और पत्थर के बर्तन में पानी रखने से 99.9% कीटाणु नष्ट हो जाते हैं. तांबे की इसी खूबी के वजह से हमारे पूर्वज नदियों में तांबे के सिक्के फेंका करते थे. जल को ऐसे शुद्ध करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है. हम अपने पूर्वजों की इस प्रथा का पालन कर रहे हैं. समय के साथ इसका असली उद्देश्य धीरे-धीरे खो गया और हम नदियों में सिक्के फेंकने के कारणों को मनोकामना का रूप दे चुके हैं. तथ्य तो यह है कि अब हम तांबे के सिक्कों का उपयोग नहीं करते हैं, इसलिए इस प्रयोग का वास्तविक वैज्ञानिक उद्देश्य जिसके कारण सदियों पहले यह प्रथा शुरू की गई थी, अब पूरी तरह से लुप्त हो गई है.

डा पीयूष त्रिवेदी,
आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी राजस्थान
विधान सभा जयपुर।

भावपूर्ण विनयांजली

वर्तमान के वर्धमान, संतसिरोमणि
आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
समतापूर्वक समाधी पर आचार्य श्री के चरणों में
शत् शत् नमन एवं वदन

गुरुचरणानुरागी
संजय-सपना छाबड़ा आवा
अध्यक्ष
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर

भावपूर्ण विनयांजली

राष्ट्रहित चिंतक आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के समतापूर्वक समाधी पर

आचार्य श्री के चरणों में
शत्-शत् नमन एवं वंदन

गुरुचरणानुरागी
रमेश-रतन,
अशोक-लाड,
महेन्द्र-गीता,
पंकज-रीना,
चिराग- शिल्पा,
सन्देश-साक्षी,
आशीष-दिक्षा,
तन्मय-पूजा, राहुल,
पूजा, विभांश, रूबी,
राही जैन आवां

विद्याशीष हथकरघा आवां

भावपूर्ण विनयांजली

युग दृष्टा, ब्रह्मांड के देवता, वर्तमान के वर्धमान, संत शिरोमणि

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
समतापूर्वक समाधी पर आचार्य श्री के चरणों में
शत् शत् नमन एवं वंदन
गुरुचरणानुरागी

अध्यक्ष:- सारिका जैन
सचिव:- स्वाति सेठी
उपाध्यक्ष :- सुषमा जैन, अनिता जैन
सह सचिव :- मोनिका जैन, ममता सेठी, रितु जैन
कोषाध्यक्ष :- नेहा जैन, सांस्कृतिक मंत्री :- मनीषा जैन
ग्रीटिंग कोऑर्डिनेटर :- रेशमा गोदिका, पीआरओ :- आशा जैन
कार्यकारिणी सदस्य:- सुनीता कसेरा, अंशु जैन, नीलू जैन, नीकिता जैन, रानी पाटनी, नीमा सोगानी, अनिता जैन, सुनीता जैन, इंदु जैन, सरोज जैन

सखी गुलाबी नगरी जयपुर

प्रेरणादायी व मार्गदर्शी जीवन है आचार्य विद्यासागर जी का

गुणानुवाद सभाः भट्टारक जी नसियां में जुटे समाजबंधु, दी विनयांजलि

श्रेष्ठजनों ने आचार्य श्री को अपने शब्दों से दी विनयांजलि

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के निदेशक डॉ. शीतल चंद्र जैन ने कहा कि आचार्य श्री के अध्यात्म की सोच अलग थी। उनके ग्रंथों को विश्वविद्यालय में शोध के लिए लाया जाए ताकि वे अमर हो सके। आज हम सभी का कर्तव्य बनता है कि प्रत्येक व्यक्ति आचार्य श्री के व्यक्तित्व व कृतित्व को समझकर अपने जीवन में आत्मसात करे। इसलिए हम सभी स्वाध्याय को नियमित कर अध्यात्म को समझने का प्रयास करें, तभी आचार्यश्री को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने कहा कि आचार्यश्री संयम के रत्नत्रय हैं,जिन्होंने संयमित होकर जीवन जिया और मोक्षमार्ग को प्रशस्त किया। आज हम सभी आचार्यश्री की आत्मसाधना से प्रेरणा लें। व्यसन छोड़ना कठिन है और बुद्धि पूर्वक छोड़ना सरल है। समाज विभाजित ना हो इसके लिए उन्होंने प्रयास किया।

मोटिवेशनल स्पीकर एसपी भारिल्ल ने कहा कि बृहद हाथ चला गया है,अब हमें सदाचार कौन बताएगा। गुरु सिद्धों के समान होते हैं,अब इन जैसे संत का होना दुर्लभ है। आचार्यश्री वट वृक्ष थे। अब हमें अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और भावी पीढ़ी को मंदिर तक लाना होगा।

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने कहा कि आचार्यश्री की वाणी में प्रामणिकता थी,वे वर्तमान की समस्याओं से अवगत थे,इसीलिए उन्होंने गौशालाओं का निर्माण,हथकरघा,बालिका शिक्षा के लिए कन्या पाठशालाएं जैसे उल्लेखनीय कार्यों से कई आयाम स्थापित किए।

प्रमुख रत्न व्यवसायी विवेक काला ने कहा कि गुरुदेव को लोकेंद्र का पद मिले और सिद्ध पद को प्राप्त हों,ऐसी मेरी सहृदय से भावना है। आचार्यश्री आज हमारे लिए धरोहर है और गौरव के प्रतीक है।

राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन ने कहा है कि आप जैसा सोचते हैं,वैसा ही आपका व्यक्तित्व निर्माण होता है,इसलिए हम जीवन में सदैव सकारात्मक सोच के साथ कार्य करें।

भाजपा नेता सुनील कोठारी ने कहा कि त्याग व संयम से ही आगे बढ़ा जा सकता है। यह उत्कृष्ट जीवन आचार्य श्री का था,जिस मार्ग पर आचार्य श्री चले,वह मोक्ष का मार्ग बन गया। बेहतर करेंगे तो उज्जवल भविष्य की ओर आगे बढ़ेंगे।

सोनी परिवार अजमेर के प्रमोद सोनी ने कहा कि आचार्य ज्ञान सागर जी महाराज ने हीरे को परख लिया था और विद्यासागर महाराज को अपना आचार्य पद दिया था। इस पंचम काल में भी भगवान महावीर जैसी चर्या आचार्यश्री की थी। जब हम आचार्यश्री के बताए मार्ग पर चलेंगे तभी हम उनको सच्ची श्रद्धांजलि दे पाएंगे।

संघ के प्रमुख प्रचारक कैलाश चंद्र ने कहा कि जो उन्होंने आदर्श स्थापित किया, उस पर हम सभी को चलना चाहिए। उनकी दी गई शिक्षा व विचारों को जीवन में उतारें।

जयपुर नगर निगम ग्रेटर के उप महापौर पुनीत कर्णावत ने कहा कि आचार्यश्री का जीवन,विचार व संदेश हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहेंगे,साथ ही जैन धर्म के सिद्धांत सर्व समाज के मंगल की कामना करते रहेंगे।

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के कार्याध्यक्ष अध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने कहा कि आज हम सभी जैन धर्म के बारे में बच्चों को सिखाया जाए और धर्म के मार्ग में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि भारत के सर्वोच्च संत आचार्यश्री विद्यासागर की विश्व में उनकी अलग पहचान थी। पीएम मोदी को जब समाधि मरण का समाचार मिला,तो वे मंच पर रोए ही नहीं और कुछ बचा भी नहीं। कंठ अवरुद्ध हो गया मुश्किल से उन्होंने अपने मन को शांत किया। उन जैसा व्यक्तित्व दुर्लभ है।

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अध्यक्ष एसके जैन ने कहा कि आचार्यश्री ने हम सभी को संयम, तप व त्याग की शिक्षा दी। उनका जीवन आगम के अनुसार था।

श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय सांगानेर की अधिष्ठाता शीला डोड्या ने कहा कि आचार्य श्री ने हमें सब कुछ दे दिया। आज हस सभी अपने जीवन में एक नियम लेकर आचार्य श्री को हमेशा के लिए याद रखे। पाठशाला प्रबंधन आचार्यश्री की सबसे बड़ी देन है। आज से सभी लोग आचार्यश्री की इच्छा के अनुरूप कार्य करेंगे।

आईएएस महेन्द्र पारख ने कहा मनुष्य जीवन दुर्लभ है, इसका उपयोग अच्छे कार्यों में करना चाहिए। सभी आचार्यश्री के बताए मार्ग पर चलें।

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को विनयांजलि देने के लिए समाज के अलावा जैनेतर लोग नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में मंगलवार को सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से हुई गुणानुवाद सभा में पहुंचे और भावों से आचार्यश्री के व्यक्तित्व व कृतित्व को याद करते हुए उन्हें अंतकरण के भावों से विनयांजलि दी। सभा के आयोजकों में थे श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय सांगानेर, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघी जी सांगानेर, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीर जी, जयपुर जिले की दिगम्बर जैन संस्थाओं की प्रतिनिधि संस्था दिगम्बर जैन समाज (महासंघ) जयपुर, राजस्थान जैन सभा व श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद ।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर ने मनाया फाउंडेशन डे

जयपुर. शाबाश इंडिया

20 फरवरी, 2024 (मंगलवार) को जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर द्वारा श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सागानेर में ''फाउंडेशन डे'' मनाया गया। इस अवसर पर चैप्टर सदस्यों द्वारा संस्थान के छात्र व छात्राओं के आवास परिसरों का अवलोकन किया एवं संस्थान के लगभग 200 विद्यार्थियों को भोजन कराया गया एवं 11,000 रुपए की सहयोग राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में जेस फाउंडेशन के उपाध्यक्ष इंजी. पी सी छाबडा, जेस नार्थ जोन के अध्यक्ष इंजी. आर के लुहाडिया, चैप्टर के अध्यक्ष इंजी. डी के जैन, उपाध्यक्ष इंजी. अरुण जैन व इंजी. राकेश बगडा, सं. सचिव इंजी. बी पी जैन एवं चैप्टर सदस्य इंजी. डी एम जैन (मुख्य संरक्षक जेस फाउंडेशन), इंजी. एम के कासलीवाल (संरक्षक जेस फाउंडेशन), इंजी. माणिक जैन एवं महिला सदस्यों की सहभागिता रही। इस अवसर पर चैप्टर सदस्य इंजी. डी एम जैन द्वारा संस्थान को रु. 1,00,000/- का वित्तीय सहयोग कर संरक्षक सदस्यता भी ग्रहण की। कार्यक्रम के अंत में चैप्टर के अध्यक्ष इंजी. डी के जैन द्वारा संस्थान के अधीक्षक राहुल जैन एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी के देवलोक गमन पर श्रद्धांजलि सभा

शोक व आनंद दोनों का दिन है यह :आचार्य अरुण सागर जी महाराज

फरीदाबाद। 18 अप्रैल की उषावेला में ही पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के देवलोक गमन का समाचार सम्पूर्ण विश्व में शोक, संताप की लहर दे गया। सेक्टर 88 फरीदाबाद स्थित आराध्य धाम जिनालय में शाम 7:0 बजे आचार्य अरुण सागर जी महाराज के सानिध्य में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। जिसमें समाज के हर वर्ग के श्रवकों ने अपनी श्रद्धांजलि पूज्य आचार्य श्री को अर्पित की.आचार्य श्री अरुण सागर ने कहा ₹यह शोक व हर्ष दोनों के मिश्रित पल हैं, हर्ष इसलिए कि धरा के श्रेष्ठतम साधक ने अपनी साधना सम्पन्न की व अपने जैसे 300 से अधिक संतो की श्रँखला देश को दे दी, जो प्राणीमात्र को अपना जीवन श्रेष्ठ व सफल बनाने में लगे हैं व शोक इसलिए कि अब हम उनके साक्षात दर्शन नहीं कर पाएंगे। उनके जीवन के बिषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके भोजन में नमक, मीठा, फल, सब्जी, मेवा, दूध, तेल का त्याग था। लकड़ी के तख्ते पर मात्र 3-4 घंटे वे रात्रि शयन करते थे। हर दो माह में केशलॉन्च करने वाले आचार्य श्री ने विगत 56 वर्षो में 1 लाख किमी से अधिक पदयात्रा की, उन्होंने कोई, मठ, आश्रम नहीं बनाया, वे अनियत विहारी थे। डॉ श्रेन्यास जैन ने उनके जन कल्याणकारी परियोजनाओ की जानकारी देते हुए, भाग्योदय चिकित्सालय, पूणार्यु मेडिकल कॉलेज, प्रतिभा स्थली विद्यालय, 100 से अधिक गौशालाओं के बिषय में जानकारी दी। इंजिनियर एस. के. जैन ने विशाल भव्य तीर्थो, शांतिधारा शुद्ध उत्पाद, व प्रशाशनिक शिक्षण संस्थानों के बिषय में बताया, जो जन जन के जीवन में ऊर्जा, ज्ञान व स्वास्थ्य दे रहे हैं।

क्रिकेट पिच पर मेयर ने लगाया शॉट

जयपुर. कासं। क्रिकेट की पिच पर शॉट खेल रही यह महिला क्रिकेटर नहीं बल्कि जयपुर ग्रेटर नगर निगम की महापौर सौम्या गुर्जर है। जिनका कहना है कि जिंदगी खेल है, खेल हमें जीने की कला सिखाता है। इस प्रतियोगिता के लिए उन्होंने पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से तनाव दूर होता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा जयपुर में विनयांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि,आचार्य प्रवर श्री 108 विद्यासागरजी महामुनिराज की सम्यक समाधि समता पूर्वक हो जाने पर भावपूर्ण विनयाञ्जलि सभा मंगलवार 20 फरवरी प्रातः 8.15 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा जयपुर में आयोजित की गई। सभा का शुभारंभ डॉ मोहन लाल जैन मणि, परमानंद जैन बाकलीवाल के साथ ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला व उपाध्यक्ष सुनील कुमार जैन संगही संयुक्त सचिव महावीर प्रसाद जैन बाकलीवाल, महावीर कुमार चांदवाड़, महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती

रेखा लुहाड़िया उपाध्यक्ष श्रीमती रेणु पांड्या ने दीप प्रज्जवलित किया। मंगल भावना ताराचंद जैन पोल्याका ने तथा मंगलाचरण श्रीमती सुशीला काला ने प्रस्तुत किया। अपने अनुभव एवं विचारों के माध्यम से गुरुवर को नमन करते हुए पंडित चंदनमल अजमेरा, पंडित दीपक शास्त्री, डॉक्टर वंदना जैन, डॉक्टर मोहनलाल मणि, जी. सी. जैन, भागचंद बाकलीवाला, महावीर कुमार चांदवाड़, सुनील काला, श्रीमती रेखा पाटनी, श्रीमती रेखा लुहाड़िया, श्रीमती सुरबाला जैन, श्रीमती मीरा पापड़ीवाला ने भावभीनी विनयांजलि प्रस्तुत की। कार्यक्रम में ट्रस्ट के कार्याध्यक्ष सतेन्द्र पांड्या, संगठन मंत्री दिलीप कुमार कासलीवाल, त्यागी व्रती मंत्री महेन्द्र कुमार सेठी, ललित कुमार काला, रमेश चन्द छाबड़ा उपस्थित थे। संचालन राजेन्द्र काला ने किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ ने सभी का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। अन्त में सभी ने पंडित दीपक जैन शास्त्री के साथ समाधि भावना का वाचन करते हुए दो मिनट का मौन रखकर नौ बार णमोकार महामंत्र का उच्चारण कर विनयांजलि सभा का समापन किया।

निवाई मे परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के विनयांजलि सभा के बाद निकाला मौन जूलूस

विमल जोला.शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में जैन समाज के महान संत परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की समाधि के पश्चात सोमवार को प्रातः जैन नसियां स्थित संत निवास पर विनयांजलि व श्रद्धांजलि देकर विशाल मौन जुलूस निकाला गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौला व राकेश संधी ने बताया कि विशाल मौन जुलूस जैन नसिया से रवाना होकर चौहटी बाजार बिचला जैन मंदिर सब्जी मंडी बड़ा बाजार होता हुआ श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर पहुंचा जहां पंडित सुरेश चंद शास्त्री द्वारा शांति पाठ व णमोकार मंत्र के साथ मौन जुलूस का समापन किया गया। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महाराज की विनयांजलि सभा का आयोजन नसिया जैन मंदिर स्थित संत निवास में आयोजित हुआ जिसमें पंडित सुरेश कुमार शास्त्री ने विनयांजलि देते हुए कहा कि आचार्य श्री जैन समाज के साथ-साथ संपूर्ण विश्व को सत्य अहिंसा का मार्ग दिखाकर आत्मिक बौध की और ले जाने वाले संत थे विद्यासागर महाराज। **उनकी अनुभूति हमारे मन हृदय में अनंत काल तक अमर रहेगी:** महिला मंडल की हेमा बनेठा ने विनयांजलि देते हुए आचार्य श्री की जीवनी पर प्रकाश डालकर बताया कि आचार्य श्री जन-जन के कल्याण की भावना रखने वाले थे।समाज के हुकमचन्द जैन ने विनयांजलि देते कहा कि आचार्य विद्यासागर महाराज के अचानक चले जाने के कारण संपूर्ण भारतीय श्रमण संस्कृति को अपूरणीय क्षति हुई है। इस दौरान महावीर प्रसाद पराणा महेन्द्र चंवरिया सुनील भाणजा विनोद पांडया मुकेश बनेठा विमल जौंला के साथ जैन समाज के अध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल शिखरचंद काला मनोज पाटनी हेमचंद संघी मूलचंद त्रिलोक चंद पांडया त्रिलोक रजवास हितेश छाबड़ा त्रिलोक सिरस शंभु कठमाणा नितिन रजवास सुरेश पाटनी महावीर प्रसाद छाबड़ा ताराचंद गोयल विमल सोगानी नवरत्न टोंग्या अतुल ठोल्या मनन दत्तवास पदमचंद जैन अजीत काला सहित अनेक लोग मौजूद थे।

डॉ अनुपम-श्रीमती विनिता जैन

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के कार्यकारिणी सदस्य

21 फरवरी' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के पावन चरणों में विन्यांजलि अर्पित की

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्थानीय बरकत नगर स्थित श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्रप्रभ स्वामी में आज परम पूज्य राष्ट्र संत महातस्पवी आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की पावन स्मृति में अरिहन्त महिला मण्डल एवं प्रबन्ध समिति के तत्वावधान में एक विन्यांजलि सभा का आयोजन किया गया। आयोजन के संयोजक मुकेश जैन मित्तल के अनुसार प्रवंध समिति के अध्यक्ष चक्रेश कुमार जैन, मंत्री निर्मल जैन अलबर बाले एवं अन्य कई समाज जनों के साथ महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती सरला जैन, मंत्री श्रीमती मैना कासलीवाल, श्रीमती शशि जैन, श्रीमती मधु जैन तथा श्रीमती चेतना जैन व मोटीवेशनल स्पीकर श्री सौरभ जैन आदि ने गुरुवर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के तपस्वी जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें जन जन का आराध्य बताया । धार्मिक एवं सांस्कृतिक संयोजक सतीश जैन अकेला ने भी अपने संस्मरण सुनाते हुए पूज्य श्री के चरणो में श्रद्धा सुमन समर्पित किए । पूज्य श्री की अनन्त कृपा तो देखिए यहाँ उनके गुण गान हो रहे थे वहीं आज मौसम न होने उपरान्त भी उनके आशीर्वाद के रूप में सभा स्थल मन्दिर प्रांगण में वारिष के रूप में प्रकृति ने भी आंसू बहा कर पूज्य श्री के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की ।

हरियाणा सरकार ने शुरू की विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना

भाजपा जिलाध्यक्ष निताशा राकेश सिहाग ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। स्थानीय राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आज एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें हरियाणा सरकार की ओर से 'विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना' शुरू की गई। योजना का शुभारंभ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष निताशा राकेश सिहाग ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी ज्ञान सिंह, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी बुटाराम, खंड शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला, सिरसा के खंड शिक्षा अधिकारी कृष्ण लाल, मुख्यमंत्री के सुशासन सहयोगी शुभम भार्गव, प्रिंसिपल कृष्ण कुमार खीचड़, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नरेश कटारिया, सचिव प्रताप सोलंकी व सह जिला मीडिया प्रभारी सुभाष चौहान भी मौजूद थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में भाजपा जिला अध्यक्ष निताशा राकेश सिहाग ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएं शुरू हुई है जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक वर्ग को मिला है। प्रदेश सरकार ने शिक्षा शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए अनेकों योजनाएं शुरू की है। इसी कड़ी में हरियाणा सरकार ने विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना शुरू की है इसके तहत स्कूल से 1 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर रहने वाले बच्चों को स्कूल तक आने जाने के लिए निःशुल्क परिवहन व्यवस्था उपलब्ध करवाई गई है ताकि कोई भी विद्यार्थी साधन के अभाव में शिक्षा से वंचित ना रहे। यह योजना विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। इस सुविधा के लागू होने से स्कूलों में जहां प्रवेश संख्या बढ़ेगी और इसका सीधा लाभ वंचित वर्ग को मिलेगा। उन्होंने छात्राओं से भी खूब मन लगाकर आधिकाधिक पढ़ाई करने और जीवन में कुछ बड़ा बनकर दिखाने की अपील की। इससे पूर्व विद्यालय में पहुंचने पर छात्राओं ने उनका स्वागत किया। विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार खीचड़ ने बताया कि उनके विद्यालय के करीब 500 बच्चों के लिए 10 बसे लगाई गई है जो कि हर रोज बच्चों को निःशुल्क घर से लाने और ले जाने का काम करेगी। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी ज्ञानचंद व अन्य अधिकारियों ने निताशा राकेश सिहाग का स्वागत करते हुए इस योजना को लागू करने पर प्रदेश सरकार का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर सिरसा के नोडल अधिकारी अमित मनहर, ऐलनाबाद के नोडल अधिकारी राहुल कस्वा, स्कूल के नोडल अधिकारी रायसाहब, एसएमसी कमेटी की प्रधान लीलारानी व चरणसिंह, बलराज बराड़, राधाकृष्ण पटीर, बजरंग कस्वां, विजय भटनागर, चन्द्र सैनी, भाजपा के संजय सारस्वत, टिकम शर्मा, राजेश दहिया, कृष्ण डोडा, महिवाल शर्मा सहित स्कूल के अन्य सभी स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की विनयांजलि सभा का हुआ आयोजन

अजमेर. शाबाश इंडिया

मंगलवार को धर्म प्रभावना महिला समिति अजमेर,श्री सन्मति परिषद व इसकी युवा शाखा द्वारा आचार्य विद्यासागर जी महाराज की दीक्षा स्थली महावीर सर्किल स्थित कीर्ति स्तंभ पर विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया । समिति के सदस्यों द्वारा सम्मिलित रूप से महाराजश्री के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर सभा शुरू की ' इसके बाद निर्मला पांड्या ने मंगलाचरण गाया। तत्पश्चात णमोकार मंत्र का जाप किया गया। इस अवसर पर धर्म बंधुओं ने महाराज श्री के प्रति अपनी भावनाएं प्रस्तुत कर के विनयांजलि प्रस्तुत की। इस अवसर पर सुनील दत्त जैन (राष्ट्रीय स्वयं सेवक, नगर संघ चालक अजमेर), प्रकाश पाटनी (अध्यक्ष, गोधों का धड़ा), प्रो. सुशील पाटनी, (अध्यक्ष संगीत मंडल) ने आचार्य श्री की अजमेर दीक्षा के प्रत्यक्षदशी होने के नाते कुछ अपने रोचक संस्मरण सुनाए जे के जैन (अध्यक्ष, छतरी मंदिर), रौनक सोगानी, अशोक गदिया, विनय पाटनी, वी के जैन, ज्ञान

पाटनी, रूपश्री जैन (अध्यक्ष, धर्म प्रभावना समिति), ने संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विधा सागर जी महा मुनि राज के जीवन काल के कुछ अपने संस्मरण सुनाए ,निर्मला पांड्या (महामंत्री), कविता सेठी (मंत्री), वृद्धि चंद बाकलीवाल संरक्षक सम्मति परिषद् रमेश बाकलीवाल (अध्यक्ष, श्री सन्मति परिषद), मनोज मोडासिया (मंत्री), सुभाष बड़जात्या, नीरू बड़जात्या, संजीव जेन (चार्टेड)मदन गदिया, सुनील जैन, अनिल बड़जात्या,अमित जैन (सचिव, जैन सोशल ग्रुप), अनिल पाटनी, सुनील पहाड़िया, अवनीश अजमेरा, विनय गदिया, कला बज, कविता पहाड़िया, अनुराग लुहाड़िया, संगीता पांड्या, वर्षा पाटनी , अनुभा बाकलीवाल, राजकुमार पाटोदी , कमल बड़जात्या मटरू मल शाह अंजू पाटनी प्रीति बाकलीवाल, मधु पहाड़िया , पूजा जैन , शेवता कटरिया आदि समाज के गणमान्य लोगों ने अपनी विन्रम विन्यांजलि प्रस्तुत की व आचार्य श्री से जुड़े संस्मरण सुनाए। मनोज मोड़ासिया ने बताया की आचार्य श्री श्रमण संस्कृति के महासूर्य, आध्यात्मिक सरोवर के राजहंस, जैन धर्म के महा साधक, मूक माटी महाकाव्य के रचयिता, राष्ट्रहित चिंतक थे। निर्मला जी पांड्या ने अपने स्वर लहरी .... तुम गए कौनसे देश तुम्हें तेरे भक्त तरसते हैं ...के माध्यम से अपनी विनयांजलि प्रस्तुत की। मंच संचालन लोकेश ढीलवारी ने किया । इन्होंने आचार्य श्री के दर्शन के दौरान अपने संस्मरण सुनाए जो बहुत ही रोचक लगे।

प्रतापनगर सेक्टर 5 में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की सम्यक संल्लेखना पूर्वक समाधि होने पर विनयांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज प्रतापनगर सेक्टर 5 द्वारा पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की सम्यक संल्लेखना पूर्वक समाधि होने पर एक विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा की अध्यक्षता जिनेन्द्र कुमार जैन ने की। कैलाश चंद जैन मलैया ने आचार्य श्री के बारे में विस्तार पूर्वक उनके जीवन, त्याग एवं तप का विस्तार पूर्वक वर्णन किया और बताया कि विद्यासागर जी मात्र जैन समाज के नहीं अपितु समस्त समाजों में पूर्ण सम्मान को प्राप्त थे देव विदेश की बड़ी बड़ी हस्तियों द्वारा निरन्तर आचार्य श्री को श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। आप तो एक युग के महापुरुषों की श्रेणी में मान्य है ।प्रवीण कुमार जी बैंक वालों ने एक भजन प्रस्तुत किया , पवन कुमार जैन निवाई वालों ने आचार्य श्री के संयमित जीवन पर प्रकाश डाला। मंदिर के अध्यक्ष/मंत्री ने कहा कि आचार्य श्री का अभाव हम सभी को भव भवान्तरों तक रहेगा ।उनकी जो भारत देश पर कृपादृष्टि बनी हुई थी वहीं बनी रहें। उनकी उस पवित्र आत्मा को शीर्घ ही नि,:श्रेयश की प्राप्ति के लिए समाज के बाल बृद्धों ने 108 बार णमोकार मंत्र का जाप करके कामना की ।अंत में कमलेश जैन बोहरा ने विद्यासागर जी की आरती को स्वर दिया,पश्चात दो मिनिट का मौन रखकर सादर विनयांजलि अर्पित की गई।

चरण रज युक्त कलश पहुंचा नसीराबाद

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। संत शिरोमणी आचार्य विद्यासागर महाराज की चरण रज युक्त कलश मंगलवार को नसीराबाद पहुंचा। चरण रज युक्त कलश को नसीराबाद निवासी निखिल पाटोदी छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चंद्रोदय तीर्थ क्षेत्र से लेकर मंगलवार को नसीराबाद पहुंचे। चरण रज युक्त कलश को जैन धर्मावलंबी ताराचंद सेठी की नसिया से ढोल- ढमाके के साथ आचार्य विद्यासागर की जय के नारों के बीच नगर के दक्षिणी छोर स्थित आचार्य विद्यासागर के गुरु आचार्य ज्ञानसागर महाराज की समाधि तक ले गए। जहां चरण रज युक्त कलश को आचार्य ज्ञानसागर महाराज के चरणों में स्थापित किया गया। आचार्य ज्ञानसागर समाधि पर जब भी आचार्य विद्यासागर महाराज के चरण स्थापित होंगे, यह चरण रज उन चरणों के नीचे रखी जाएगी। इससे पूर्व चरण रज युक्त कलश को ताराचंद सेठी की नसियां में उस स्थान पर रखा गया था जहां 22 नवंबर 1972 को आचार्य ज्ञानसागर महाराज ने अपने प्रथम शिष्य आचार्य विद्यासागर महाराज को आचार्य पद प्रदान किया था। चरण रज को जैन धर्मावलंबियों ने श्रद्धा के साथ अपने मस्तक पर लगाकर अपने आपको धन्य किया।

मंगल विहार कॉलोनी जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा शुरू, निकली घटयात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपालपुरा बाईपास स्थित मंगल विहार कॉलोनी के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव मंगलवार से परम पूज्य 108 सर्वांगभूषण श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार से शुरू हुआ। महोत्सव के पहले दिन महोत्सव गर्भकल्याणक पूर्वार्ध की क्रियाएं हुई। इस दौरान ध्वजारोहण,घटयात्रा सहित अन्य आयोजन हुए। इस दौरान गूंज रही भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। मंगल विहार पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष प्रमिला जैन व सचिव अमित गोधा ने बताया कि महोत्सव के तहत मंगलवारको महोत्सव गर्भकल्याणक पूर्वार्ध की क्रियाएं होगी। इस दिन जिनाभिषेक पूजा के,पूजन, देव आज्ञा,गुरु आज्ञा के बाद आचार्यश्री ससंघ को श्रीफल भेंट,प्रतिष्ठाचार्य निमंत्रण होगी। इसके बाद जयकारों के बीच घटयात्रा जुलूस निकाला गया। जूलूस में 251महिलाएं सिर पर मांगलिक कलष लेकर चल रही थी,वहीं बैंडवादकों मधुर स्वर लहरियों पर नाच-गाकर चल रहे थे और गूंज रही आया मंगल दिन,मंगल अवसर ...,धन्य-धन्य आज घड़ी कैसी सुखकर है...मेरे मन मंदिर में आन...जैसे भजनों की स्वर लहरियां वातावरण में भक्ति रस की छटा बिखेर रही थी। 251 महिलाओं की या कलषयात्रा मंगल विहार का भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पहुंची,जहां कलष के जल से वेदी शुद्धि,प्रेक्षण,वेदी आच्छादन व अंकुरोपण की सभी क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य वाणी भूषण डॉ.आनंद प्रकाष कोलकाता ने सम्पन्न करवाई। उन्होंने बताया कि इसके बाद ध्वजारोहण समाजश्रेष्ठी नवल-मंजू पाटनी, अभिषेक- साक्षी पाटनी परिवार ने किया।इसके बाद आचार्यश्री का मंच पर पदार्पण,दीप प्रज्जवलन,चित्र अनावरण सहित अनेक धार्मिक आयोजन हुए। इस मौके पर आचार्यश्री ने अपने प्रवचनों में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के बारे में बताया। इसीदिन दोपहर में सकलीकरण इन्द्र प्रतिष्ठा जैसी क्रियाएं सम्पन्न होगी। इस मौके पर मंगल कलष की स्थापना रमेश चंद-गुणमाला गंगवाल परिवार व मंडप उद्घाटनकर्ता विनय-स्नेहलता सौगानी के परिवारजन करेंगे। इसके बाद मंडप प्रतिष्ठा कलश स्थापना सहित अनेक धार्मिक क्रियाएं सम्पन्न की गई । शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रोचक प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके महोत्सव के इन्द्र प्रेम कुमा-पदमा जैन परम फैशन्स,भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य हरकचंद-कुसुम जैन को प्राप्त हुआ। प्रचार संयोजक रितेश जैन व शुभम शाह ने बताया कि महोत्सव के तहत 21 को गर्भकल्याणक उत्तरार्ध की आंतरिक क्रियाएं की जाएगी, जिसके तहत सुबह 6बजे जिनाभिषेक के बाद महाध्वज स्थापना पूजा,आचार्यश्री के प्रवचन, व शांति हवन के बाद दोपहर में गोद भराई व भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य हरकचंद-कुसुम जैन का बहुमान किया जाएगा। साम को आरती व प्रवचन के बाद गर्भकल्याणक की पूर्व क्रियाएं, भेरी ताडन, मंगलाचरण, तत्वचर्चा,इन्द्रासना, सुधर्मा सभा, सौधर्म-षचि वार्ता,कुबेर आगमन व सौधर्म इन्द्र की चर्चा,नगरी रचना,नई नगरी में महाराजा व महारानी का प्रवेष,रत्नवृष्टि,याचकों की आषापूर्ति,माता की सेवा में अष्टकुमारियों की नियुक्ति,माता की सेवा व माता का शयन व सोलह स्वप्न व उनका फल के बाद मध्य रात्रि में गर्भकल्याणक की आंतरिक क्रियाएं व माता की गोद भराई सहित अन्य क्रियाएं सम्पन्न होंगी। उन्होंने बताया कि 22 को जन्मकल्णयाणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन जन्मकल्याणक की शोभायात्रा व पांडुक षिला पर कलषों से श्रीजी के जन्माभिषेक किया जाएगा। 23 को तप कल्याणक महोत्सव,24 को ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन मोक्षकल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इस दिन जयकारों के बीच श्रीजी को वेदी में विराजमान किया जाएगा।

संयम और तप साधना की अनुपम विभूति - संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

डॉ. नरेन्द्र जैन भारती सनावद

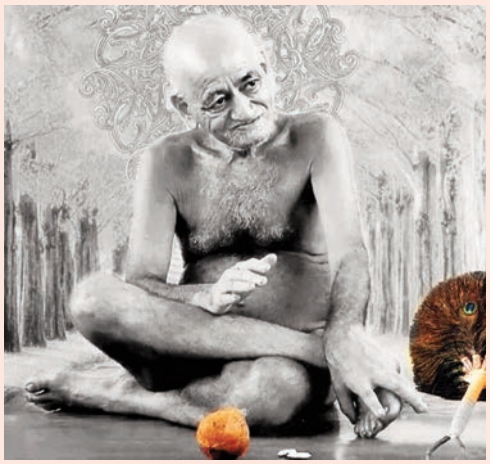

भारतीय वसुंधरा पर समय-समय पर अनेक ऐसे संतों का जन्म होता रहा है जिन्होंने अपनी अनुपम एवं अमिट तप साधना से सभी को प्रभावित किया है। ऐसे ही एक महान संत पुरुष थे संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज। जिन्होंने अपनी तप,ध्यान और सदभावना से अनेक नर, नारियों को श्रमण संस्कृति का सम्यक बोध कराकर धर्म मार्ग पर लगाया है। इक्कीसवीं सदी में परिवार, समाज, संस्कृति और संस्कारों की अलख जगाकर आपने आत्मदर्शन का जो सम्यक रूप दिखाया इसके कारण आपके जीवन की अमिट छाप, युगों- युगों तक संपूर्ण विश्व समाज पर अंकित रहेगी। जैन धर्म में संयम और तप साधना का विशेष महत्व है। परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने 55 वर्ष तक संयम की साधना की और अपनी सुंदर सुडौल काया को तपस्या में तपाकर, श्रमण संस्कृति की त्याग भावना के अनुरूप बनाया। आगम और अध्यात्म का सम्यक प्रचार प्रसार कर, अपराजेय साधक बनकर निरंतर धर्म मार्ग पर आगे बढ़ते रहे। आपके जीवन में शिथिलाचार को किंचित भी जगह नहीं मिली इसलिए आपकी अनुपम अटल और अटूट तप साधना की सभी प्रशंसा कर, उनके प्रति मन, वचन और काय से सभी देशवासी नतमस्तक रहे हैं। आपकी तप साधना सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान और सम्यकचारित्र रूप रत्नत्रय धर्म से संयुक्त थी इसलिए हम उन्हें सदा नमोस्तु करते हैं। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जन्म 10 अक्टूबर सन 1946 को शरद पूर्णिमा के दिन आश्विन शुक्ल 15 को भारत देश के कर्नाटक प्रांत के बेलगांव जिले के दूधगंगा नदी के तट पर स्थित ग्राम सदलगा में श्री मल्लपा जी अष्टगे के घर माता श्रीमती की कुक्षी से विद्याधर के रूप में हुआ था। आपके पिता ने धार्मिक संस्कारों का बीजारोपण करते हुए विद्याधर के जीवन को आगे बढ़ाया, परंतु बालक का मन सांसारिक जीवन में नहीं लगा। अतः उन्होंने (विद्याधर ने) आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज से ब्रह्मचर्य व्रत लेकर उन्ही की प्रेरणा से मुनि श्री ज्ञान सागर जी महाराज के पास जाकर विद्या अध्ययन किया और आषाढ़ कृष्ण पंचमी विक्रम संवत 2025 को राजस्थान के अजमेर नामक स्थान पर 30 जून 1968 रविवार को मुनि दीक्षा लेकर संयम के मार्ग पर आगे बढे।

-निरंतर